www.railsamacharbureauald.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

समस्त पाठकों को चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ! माँ दुर्गा की कृपा से आपके जीवन में सुख, समृद्धि और शांति बनी रहे। शक्ति, भक्ति और मंगलमय ऊर्जा से परिपूर्ण यह पावन पर्व आपके परिवार के लिए शुभ हो।

यह नववर्ष प्रत्येक जीव के लिए शांति और आनंदमय जीवन का संदेश लेकर आए। धर्म, सत्य और सद्गुणों की राह पर चलते हुए हम सभी राष्ट्र और समाज के कल्याण हेतु समर्पित रहें।

वर्ष-35 अंकः07 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 01-15 अप्रैल 2025 पृष्ठ 08 मूल्यः20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

भारतीय रेलवे में लगातार हो रहे सुधार

बेहतर सुरक्षा, तेज संचालन और आधुनिक सुविधाओं की ओर कदम

गति शक्ति, कवच, रोलिंग ब्लॉक और जीएम तथा डीआरएम को मंजूरी की शक्ति बढ़ाने जैसी पहलों से रेलवे परियोजनाओं की स्वीकृति और क्रियान्वयन में तेजी आएगी

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे में सुधार एक सतत और निरंतर प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य ट्रेन संचालन को सुरक्षित और कुशल बनाना, यात्री अनुभव को बेहतर करना, नेटवर्क विस्तार में तेजी लाना और माल ढुलाई की दक्षता को बढ़ाना है। हाल के दिनों में रेलवे ने कई महत्वपूर्ण सुधार किए हैं, जो देश के परिवहन तंत्र को और अधिक प्रभावी और आधुनिक बना रहे हैं।

गति शक्ति निदेशालय/इकाइयाँः

परिवहन क्षेत्र से संबंधित अवसंरचना परियोजनाओं के योजना और निष्पादन के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए अक्टूबर 21 में पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) शुरू किया गया था। भारतीय रेलवे ने अपनी परियोजना रूपरेखा प्रक्रिया में गति शक्ति के सिद्धांतों को तुरंत आत्मसात कर लिया है। मौजूदा संसाधनों का उपयोग करते हुए, भारतीय रेलवे में एक बहु-विषयक गति शक्ति निदेशालय बनाया गया है। इसी तरह क्षेत्रीय रेलवे में गति शक्ति इकाइयाँ बनाई गई हैं। सभी हितधारकों और अन्य अवसंरचना मंत्रालयों/विभागों के परामर्श के बाद परियोजना डीपीआर बनाई जाती है। उपर्युक्त पहलों से परियोजनाओं के मूल्यांकन/स्वीकृति प्रक्रिया और निष्पादन में तेजी आई है।

महाप्रबंधक- जीएम और मंडल रेल प्रबंधक-डीआरएम को परियोजनाओं की मंजूरी देने की शक्ति में वृद्धिः

परियोजनाओं के तेजी से निष्पादन के लिए जीएम और डीआरएम के लिए विभिन्न परियोजनाओं के लिए मंजूरी देने की शक्ति में वृद्धि की गई है।

अनुबंधों को अंतिम रूप देना और प्रबंधनः

निविदाओं को अंतिम रूप देने के लिए महाप्रबंधकों को पूर्ण अधिकार सौंपे गए हैं। इसके अलावा, पारदर्शी और त्वरित/तेज अनुबंध प्रबंधन और ठेकेदार की बिलिंग के लिए वर्क्स कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट सिस्टम (आईआर डब्ल्यूसीएमएस) और ठेकेदार की ई-एमबी को लागू किया गया है।

कवच का विकास और कार्यान्वयनः

ट्रेन संचालन में सुरक्षा में सुधार के लिए, कवच को भारतीय रेलवे में राष्ट्रीय स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली के रूप में विकसित किया गया है। कवच के कार्यान्वयन का काम भारतीय रेलवे में मिशन मोड में किया गया है।

लेवल क्रॉसिंग का उन्मूलनः

ट्रेन संचालन और सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा में सुधार के लिए, ब्रॉड गेज पर सभी मानव रहित लेवल क्रॉसिंग को समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा, आरओबी/आरयूबी के निर्माण द्वारा चरणबद्ध तरीके से सभी मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग को बदलने का भी निर्णय लिया गया है।

स्टेशन पुनर्विकासः

भारतीय रेलवे ने यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने और रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन संचालन में दक्षता में सुधार करने के उद्देश्य से अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। अमृत भारत स्टेशन योजना में अब तक 1,337 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा चुका है।

आधुनिक ट्रेनों की शुरूआतः

यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए, भारतीय रेलवे ने आधुनिक सुविधाओं के साथ अत्याधुनिक वंदे भारत ट्रेन, अमृत भारत ट्रेन और नमो भारत रैपिड रेल शुरू की हैं।

भारत गौरव ट्रेनः

भारतीय रेलवे ने भारत गौरव ट्रेनों (बीजीटी) के नाम से थीम-आधारित पर्यटक सर्किट ट्रेनें शुरू की हैं, जिसका उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र के पेशेवरों और अन्य संभावित सेवा प्रदाताओं के माध्यम से भारत और दुनिया के लोगों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार ऐतिहासिक स्थानों को दिखाना है।

स्टेशनों और ट्रेनों में डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देनाः

टिकटिंग सुविधा, खानपान इकाइयों आदि जैसे विभिन्न ग्राहक इंटरफेस बिंदुओं पर डिजिटल भुगतान की सुविधा।

माल परिवहनः

माल ढुलाई बढ़ाने के उद्देश्य से, भारतीय रेलवे ने माल ढुलाई छूट, सुनिश्चित व्यवसायों पर छूट, छोटी लीड पर रियायतें, मिनी रेक लोडिंग, माल शेड विकास, सामान्य प्रयोजन वैगन निवेश योजना (जीपीडब्ल्यू आईएस), व्यवसाय विकास पोर्टल आदि के रूप में कई उदारीकृत प्रोत्साहनों के रूप में प्रमुख सुधार किए हैं।

गति शक्ति कार्गो टर्मिनलः

भारतीय रेलवे के माल लदान हिस्से को बढ़ाने के लिए कार्गो टर्मिनलों की स्थापना में तेजी लाने और अनुमोदन को आसान बनाने के लिए गति शक्ति कार्गो टर्मिनल पहल शुरू की गई है। अब तक 95 जीसीटी चालू हो चुके हैं।

रेलवे-इंडिया पोस्ट एकीकरण से "संयुक्त पार्सल उत्पाद" की शुरुआतः

व्यवसाय करने के लिए दो सरकारी विभागों के बीच एक संयुक्त सहयोगी पहल के रूप में, पार्सल डिलीवरी का एक पूर्ण समाधान शुरू किया गया है जिसमें डाक विभाग द्वारा प्रथम-मील-अंतिम-मील कनेक्टिविटी और रेलवे के माध्यम से स्टेशन से स्टेशन के बीच कनेक्टिविटी प्रदान की गई है।

कोयला श्रृंखला समन्वय समूहः

कोयला श्रृंखला में बड़ी संख्या में हितधारक शामिल हैं, जैसे कोयला कंपनियां, कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानें, बंदरगाह, बिजली घर, उद्योग और भारतीय रेलवे। सभी हितधारकों के साथ समन्वय करने के लिए रेल मंत्रालय में कोयला श्रृंखला समन्वय समूह स्थापित करने की योजना बनाई गई है।

वार्षिक भर्ती कैलेंडरः

भारतीय रेलवे ने भर्तियों के लिए एक वार्षिक कैलेंडर जारी किया है, जो न केवल उम्मीदवारों के लिए अनिश्चितता और प्रतीक्षा अवधि को कम करेगा, बल्कि रेलवे को समय पर रिक्तियों को भरने में भी सक्षम बनाएगा।

रेलवे भूमि नीतिः

पीएम गति शक्ति ढांचे के तहत देश भर में तेजी से एकीकृत योजना और बुनियादी ढांचे के विकास को सक्षम करने के लिए रेलवे की भूमि पट्टा नीति को सुव्यवस्थित और सरल बनाने के लिए, दीर्घकालिक भूमि पट्टे नीति जारी की गई है।

रोलिंग ब्लॉक की शुरूआतः

भारतीय रेलवे में वर्ष 2023 में राजपत्र अधिसूचना द्वारा रोलिंग ब्लॉक की अवधारणा शुरू की गई है, जिसमें परिसंपत्तियों के एकीकृत/रखरखाव/मरम्मत/प्रतिस्थापन का कार्य रोलिंग आधार पर 52 सप्ताह पहले से योजनाबद्ध तरीके से किया जाता है तथा डिवीजनों द्वारा योजना के अनुसार निष्पादित किया जाता है।

भारतीय रेल की वित्तीय स्थिति अच्छी, यात्रियों को दे रहे पहले से अधिक सब्सिडीः केंद्रीय रेल मंत्री

रेल मंत्री ने कहा कि सरकार गरीबों के लिए प्रतिबद्ध है, और जनरल कोचों की संख्या एसी कोचों से 2.5 गुना अधिक बढ़ाई जा रही है। भारतीय रेल का वित्तीय प्रदर्शन भी सुधार रहा है, और अब रेलवे का राजस्व ₹2.78 लाख करोड़ है। श्री वैष्णव ने विश्वास जताया कि रेलवे भविष्य में एक आधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण-फ्रेंडली परिवहन प्रणाली बनेगा।

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री वैष्णव ने 17 मार्च, 2025 को राज्यसभा में भारतीय रेल की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल यात्रियों को किफायती किराए पर सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान कर रही है, और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में रेलवे का किराया पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका की तुलना में कम है, जबकि पश्चिमी देशों में यह भारत के मुकाबले 10 से 20 गुना अधिक है। रेल मंत्री ने बताया कि ट्रेन से प्रति किलोमीटर यात्रा की लागत ₹1.38 है, लेकिन यात्रियों से केवल 73 पैसे लिए जाते हैं, जिससे 47% सब्सिडी मिलती है। वित्त वर्ष 2022-23 में ₹57,000 करोड़ की सब्सिडी दी गई, जो 2023-24 में ₹60,000 करोड़ हो गई। रेल विद्युतीकरण से ऊर्जा खर्च स्थिर रहा है, और भारतीय रेल 2025 तक 'स्कोप 1 नेट जीरो' और 2030 तक 'स्कोप 2 नेट जीरो' लक्ष्य पर काम कर रही है। बिहार के मढौरा कारखाने से लोकोमोटिव का निर्यात जल्द शुरू होगा। 1,400 लोकोमोटिव इस वर्ष भारत में बने हैं, जो अमेरिका और यूरोप के संयुक्त उत्पादन से अधिक हैं। 2 लाख नए वैगन बेड़े में जोड़े गए हैं। रेल सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है, और 41,000 LHB कोच तैयार किए गए हैं। सभी ICF कोच LHB में बदले जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी के योगदान से रेलवे को ₹2.5 लाख करोड़ का समर्थन मिल रहा है। हाल ही में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे की जांच की जा रही है।

भीड़ प्रबंधन के लिए रेलवे का बड़ा कदम, 60 स्टेशनों पर लागू होगा एक्सेस कंट्रोल सिस्टम

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने स्टेशनों पर बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए 60 प्रमुख स्टेशनों पर स्थायी होल्डिंग क्षेत्र और एक्सेस कंट्रोल सिस्टम लागू करने का निर्णय लिया है। इस पहल के तहत यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए चौड़े फुट-ओवर-ब्रिज, सीसीटीवी निगरानी और वॉर रूम जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं की जाएंगी।

यात्रियों की सुविधा के लिए प्रमुख कदमः

स्थायी होल्डिंग क्षेत्रः

रेलवे ने 2024 के त्योहारी सीजन में सूरत, उधना, पटना और नई दिल्ली में अस्थायी होल्डिंग क्षेत्र बनाए थे, जिससे भारी भीड़ को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया गया। इसी तर्ज पर अब 60 प्रमुख स्टेशनों पर स्थायी प्रतीक्षा क्षेत्र बनाए जाएंगे। नई दिल्ली, आनंद विहार, वाराणसी, अयोध्या और गाजियाबाद में इस योजना की पायलट परियोजनाएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं।

एक्सेस कंट्रोल सिस्टमः

- केवल कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को प्लेटफॉर्म तक जाने की अनुमति होगी।
- प्रतीक्षा सूची और बिना टिकट यात्री बाहरी प्रतीक्षा क्षेत्र में रहेंगे।
- अनधिकृत प्रवेश द्वार पूरी तरह सील किए जाएंगे।

चौड़े फुट-ओवर-ब्रिज (एफओबी):

- स्टेशनों पर 12 मीटर और 6 मीटर चौड़े आधुनिक डिजाइन वाले एफओबी बनाए जाएंगे।
- महाकुंभ में सफलतापूर्वक इस्तेमाल किए गए ये एफओबी रेलवे स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन में अहम भूमिका निभाएंगे।

सीसीटीवी निगरानी और वॉर रूमः

- सभी प्रमुख स्टेशनों पर कैमरे की संख्या बढ़ाई जाएगी।
- बड़े स्टेशनों पर वॉर रूम बनाए जाएंगे, जहां सभी विभागों के अधिकारी भीड़ प्रबंधन की निगरानी करेंगे।

संचार और सुरक्षा प्रबंधनः

- रेलवे स्टाफ को नए डिजाइन के वॉकी-टॉकी, उद्घोषणा प्रणाली और डिजिटल संचार उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।
- स्टाफ की पहचान के लिए नए आईडी कार्ड और नई वर्दी जारी की जाएगी।

स्टेशन निदेशक की नियुक्तिः

- सभी प्रमुख स्टेशनों पर वरिष्ठ अधिकारी स्टेशन निदेशक के रूप में तैनात किए जाएंगे।
- उन्हें वित्तीय अधिकार दिए जाएंगे, जिससे वे यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए त्वरित निर्णय ले सकें।

टिकट बिक्री पर नियंत्रणः

- स्टेशन की क्षमता और उपलब्ध ट्रेनों को ध्यान में रखते हुए स्टेशन निदेशक को टिकट बिक्री नियंत्रित करने का अधिकार दिया जाएगा।

इसके अलावा, जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से स्टेशन-विशेष योजनाएं बनाई जाएंगी। स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री प्रतिबंधित की जा सकेगी, जिससे केवल आवश्यक यात्रियों को ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी।

झाँसी मंडल के महोबा-खजुराहो खंड के सिंहपुर डुमरा स्टेशन पर डबल डिस्टेंस सिग्नलिंग प्रणाली का सफल कार्यान्वयन।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 29 मार्च 2025 को झाँसी मंडल के महोबा-खजुराहो खंड के सिंहपुर डुमरा स्टेशन पर डबल डिस्टेंट सिग्नलिंग प्रणाली का सफलतापूर्वक कमीशनिंग कार्य संपन्न हुआ। यह महत्वपूर्ण कार्य मौजूदा ब्रिटिश-निर्मित पीआई (पैनल इंटरल किंग) प्रणाली में आवश्यक बदलाव कर पूरा किया गया। यह उपलब्धि मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार सिन्हा के गतिशील नेतृत्व, अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा श्री पी पी शर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक/परिचालन श्री नंदीश शुक्ला, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर (समन्वय) श्री नरेंद्र सिंह, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर (ब्रांच लाइन) कुमारी रश्मि गौतम, सहायक मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री अमरेश कुमार एवं समस्त मंडल अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन में प्राप्त हुई। डबल डिस्टेंट सिग्नलिंग प्रणाली की स्थापना से ट्रेन चालकों को पहले से संकेतों की स्पष्ट जानकारी प्राप्त होगी, जिससे उन्हें ट्रेन की गति को नियंत्रित करने और सुरक्षित संचालन में सहायता मिलेगी। यह प्रणाली विशेष रूप से उच्च गति वाली ट्रेनों के संचालन के लिए उपयोगी होती है, क्योंकि यह चालक को आगे के सिग्नलों के बारे में अतिरिक्त पूर्व सूचना देती है। इस उन्नत सिग्नलिंग प्रणाली से झाँसी मंडल में रेल यातायात की सुरक्षा, संरक्षा और संचालन क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी, जिससे यात्रियों को अधिक सुरक्षित और सुगम रेल यात्रा का लाभ मिलेगा।

रेल विद्युतीकरण में गतिः 29 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में से 22 में 100 प्रतिशत नेटवर्क विद्युतीकृत, शेष 7 राज्यों में कार्य तेजी से प्रगति पर

वर्ष 2018-19 से वर्ष 2023-24 तक ट्रैक्शन ईंधन की खपत में 136 करोड़ लीटर की कमी

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने अपने ब्रॉड गेज नेटवर्क के 97% विद्युतीकरण के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रेल मंत्री वैष्णव के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 तक शेष नेटवर्क का विद्युतीकरण पूरा कर लिया जाएगा, जिससे रेलवे की परिचालन क्षमता और पर्यावरणीय स्थिरता में सुधार होगा।

राज्यवार विद्युतीकरण की प्रगतिः

वर्तमान में, 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने रेलवे नेटवर्क का 100% विद्युतीकरण पूरा कर लिया है, जिनमें आंध्र प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड शामिल हैं। अन्य राज्यों में भी कार्य तेजी से प्रगति पर हैय उदाहरण के लिए, तमिलनाडु में विद्युतीकरण 93.87% तक पहुंच चुका है, और राजस्थान में यह 97.38% पूरा हो चुका है।

पर्यावरणीय और आर्थिक लाभः

विद्युतीकरण से डीजल पर निर्भरता कम होने के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आई है, जिससे पर्यावरण को लाभ हुआ है। इसके अलावा, परिचालन लागत में भी कमी आई है, जिससे रेलवे की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

भविष्य की योजनाएँः

रेलवे मंत्रालय का लक्ष्य वित्त वर्ष 2025-26 तक 100% विद्युतीकरण प्राप्त करना है। इसके साथ ही, 2030 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग बढ़ाया जाएगा। इन प्रयासों से भारतीय रेलवे न केवल अपनी परिचालन क्षमता में वृद्धि कर रहा है, बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

रेल भवन, नई दिल्ली में अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री सतीश कुमार की अध्यक्षता में 20 मार्च, 2025 को 154वीं रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेल भवन, नई दिल्ली में अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री सतीश कुमार की अध्यक्षता में 154वीं रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर 49 रेल कर्मियों को राजभाषा में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। विशेष रूप से, पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य इंजीनियर/ट्रैक मशीन श्री संजय यादव को व्यक्तिगत श्रेणी में 'रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक' प्रदान किया गया। वहीं, पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय गोरखपुर में राजभाषा विभाग ने पुरस्कार वितरण समारोह और स्वास्थ्य संगोष्ठी का आयोजन रेलवे अधिकारी क्लब, गोरखपुर में किया। मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री संजय सिंघल ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और वर्ष 2024 में आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को सम्मानित किया। बैठक को संबोधित करते हुए श्री सतीश कुमार ने कहा कि हिंदी के प्रयोग और प्रसार के लिए सभी को मिलकर सार्थक प्रयास करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे से संबंधित सभी सुरक्षा साहित्य का हिंदी में अनुवाद जरूरी है। समारोह में विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार वितरण हुआ। पूर्व मध्य रेल को 'रेल मंत्री राजभाषा शील्ड', उत्तर रेलवे को 'रेल मंत्री राजभाषा ट्रॉफी' प्राप्त हुई। व्यक्तिगत श्रेणी में पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता को 'कमलापति त्रिपाठी राजभाषा स्वर्ण पदक' और अन्य कर्मियों को 'रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक' से सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य संगोष्ठी में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मधुमेह और हृदय रोग के कारणों और बचाव पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अनुवादक/ प्रभारी श्रीमती अनामिका सिंह ने किया।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा अलार्म चेन पुलिंग रोकने की अनूठी पहल।

सूत्र/रे.स.ब्यू- पूर्व मध्य रेल द्वारा बिना किसी वैध कारण के चैन पुलिंग करके रेल गाड़ियों को रोकने वालों के खिलाफ नियमित कार्रवाई की जाती रही है। इसी कड़ी में बीते दिन दिल्ली से पटना आ रही संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस अचानक बिहटा स्टेशन पर अलार्म चेन पुलिंग की आवाज के साथ रुक गई। मौके पर तैनात रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के अधिकारी एवं जवान तुरंत सतर्क हो गए और ट्रेन से उतरने वाले दो व्यक्तियों को पकड़ लिया। जांच में पाया गया कि दोनों यात्रियों के पास दिल्ली से पटना तक का वैध टिकट था, लेकिन घर बिहटा के पास होने के कारण उन्होंने पटना जाकर लौटने के बजाय बीच रास्ते में अलार्म चेन पुलिंग कर उतरना उचित समझा। आरपीएफ ने कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जुर्माना भरने के बाद रिहा कर दिया गया। इस परिप्रेक्ष्य में आरपीएफ ने एक और कदम बढ़ाते हुए अगले दिन संबंधित यात्रियों के गांव में जाकर उनके परिवार एवं ग्रामीणों को इस कृत्य और इसके परिणामों से अवगत कराया। आरपीएफ के जवानों ने जागरूकता अभियान चलाते हुए सभी को अलार्म चेन पुलिंग से होने वाली असुविधाओं, इसके दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। रेलवे सुरक्षा बल यात्रियों से अपील करता है कि अनावश्यक अलार्म चेन पुलिंग से बचें और रेलवे की संपत्ति एवं यात्रा सुरक्षा को सुनिश्चित करने में सहयोग करें। यात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में ही वे अलार्म चेन पुलिंग का प्रयोग करें। इसी कड़ी में चेन पुलिंग के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए रेलवे सुरक्षा बल द्वारा केवल मार्च माह में 18 मार्च तक ही 486 लोगों को गिरफ्तार किया गया तथा उनसे जुर्माने के रूप में 01 लाख 59 हजार रुपये वसूल किए गए हैं। विदित हो कि गाड़ियों को बिना ठहराव एसीपी (चेन पुलिंग) के द्वारा रोकने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लंबी दूरी वाली गाड़ियों में सफर करने वाले यात्री एसीपी के कारण और ज्यादा परेशान हो जाते हैं। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

आईआरसीटीसी द्वारा भारत गौरव यात्रा पर्यटक ट्रेन- 7 ज्योतिर्लिंग यात्रा का संचालन।

यात्रा की बुकिंग हेतु पर्यटन भवन, गोमती नगर, लखनऊ स्थित आईआरसीटीसी कार्यालय एवं आईआरसीटीसी की बेवसाइट www.irctctourism.com से ऑनलाइन बुकिंग भी कराई जा सकती है। अधिक जानकारी एवं बुकिंग के लिये नीचे दिये गये मोबाइल नम्बरों पर सम्पर्क कर सकते हैः
8287930199, 9236391908, 9236391910, 9417105544, 7302821864

सूत्र/रे.स.ब्यू- इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज्म कार्पोरेशन लि० (आईआरसीटीसी) भारत गौरव यात्रा पर्यटक ट्रेन - 7 ज्योतिर्लिंग यात्रा का संचालन दिनांक 11/04/2025 से 22/04/2025 तक करने जा रहा है। जो 11 रात्रि एवं 12 दिन का पैकेज है। इसके अन्तर्गत उज्जैन स्थित महाकालेश्वर एवं ओम्कारेश्वर ज्योतिर्लिंग, गुजरात स्थित सोमनाथ एवं नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, द्वारकाधीश मंदिर, भेट द्वारका एवं सिग्नेचर ब्रिज, नाशिक स्थित त्रयंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, पंचवटी एवं कालाराम मंदिर, पुणे स्थित भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, औरंगाबाद स्थित घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग एवं स्थानीय मंदिर के दर्शन हेतु यात्रा करायी जाएगी। इस ट्रेन में बैठने की सुविधा योगनगरी ऋषिकेश, हरिद्वार, मुरादाबाद, बरैली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, कानपुर, उरई, झाँसी, ललितपुर से उपलब्ध है। इस यात्रा के कंम्फर्ट श्रेणी के पैकेज में डीलक्स होटलों के एसी कमरे (शेयरिंगध्नान शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) में रात्रि का विश्राम/वाश एंड चेंज, नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण सम्मिलित है। इस पैकेज में एक व्यक्ति के ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू०- 52200/- प्रति व्यक्ति है। इस यात्रा के स्टैंडर्ड श्रेणी के पैकेज में बजट होटलों के एसी कमरे (शेयरिंग/नान शेयरिंग-पैकेज के अनुसार) में रात्रि का विश्राम, नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, नान एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण सम्मिलित है। वाश एंड चैंज की व्यवस्था नान एसी बजट होटलों में होगी। इस पैकेज में एक व्यक्ति के ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू०- 39550/- प्रति व्यक्ति है। इसी प्रकार यात्रा के स्लीपर श्रेणी के पैकेज में नान एसी बजट होटलों में शेयरिंग में रात्रि का विश्राम/वाश एंड चेंज, नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, नान एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण सम्मिलित है। इस पैकेज में एक व्यक्ति के ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू०- 23200/- प्रति व्यक्ति है। इस यात्रा हेतु लोगों की सुविधा के लिए विभिन्न बैंकों द्वारा मात्रा रू०- 816/- प्रति माह इ.एम.आई (EMI) भुगतान की सुविधा की व्यवस्था भी की गयी है ताकि निम्न आय वर्ग तथा अन्य वर्ग के लोग भी इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठा सकें। इस पैकेज की बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर की जायेगी। इसमे LTC की सुविधा उपलब्ध है।

चैत्र नवरात्रि मेला के अवसर पर विंध्यांचल रेलवे स्टेशन पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए रेल प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था।

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु 04 जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं की संचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के अनुसारः

1. गाड़ी संख्या 09621/09622, अजमेर-बांद्रा टर्मिनस-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल रेल सेवा की संचालन अवधि में अजमेर से दिनांक 06.04.25 से 29.06.25 तक (13 ट्रिप) एवं बांद्रा टर्मिनस से दिनांक 07.04.25 से 30.06.25 तक (13 ट्रिप) विस्तार किया जा रहा है।
2. गाड़ी संख्या 09625/09626, अजमेर-दौंड-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल रेल सेवा की संचालन अवधि में अजमेर से दिनांक 10.04.25 से 26.06.25 तक (12 ट्रिप) एवं दौंड से दिनांक 11.04.25 से 27.06.25 तक (12 ट्रिप) विस्तार किया जा रहा है।
3. गाड़ी संख्या 09627/09628, अजमेर-सोलापुर-अजमेर स्पेशल साप्ताहिक रेल सेवा की संचालन अवधि में अजमेर से दिनांक 09.04.25 से 25.06.25 तक (12 ट्रिप) एवं सोलापुर से दिनांक 10.04.25 से 26.06.25 तक (12 ट्रिप) विस्तार किया जा रहा है।
4. गाड़ी संख्या 04715/04716, बीकानेर-साईनगर शिर्डी-बीकानेर साप्ताहिक स्पेशल रेल सेवा की संचालन अवधि में बीकानेर से दिनांक 12.04.25 से 28.06.25 तक (12 ट्रिप) एवं साईनगर शिर्डी से दिनांक 13.04.25 से 29.06.25 तक (12 ट्रिप) विस्तार किया जा रहा है।

नोटः उपरोक्त रेलसेवाओं के संचालन समय एवं ठहराव पूर्ववत् रहेंगे। यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

कैबिनेट ने 01-01-2025 से केंद्र सरकार के कर्मचारियों को महंगाई भत्ते और पेंशनभोगियों को महंगाई राहत की अतिरिक्त किस्त जारी करने को मंजूरी दी

48.66 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और 66.55 लाख पेंशनभोगियों को 2 प्रतिशत लाभ यानि राजकोष पर प्रति वर्ष 6614.04 करोड़ रुपये का भार

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 01.01.2025 से केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत (डीआर) की एक अतिरिक्त किस्त जारी करने को मंजूरी दे दी है। यह मूल वेतन/पेंशन के 53 प्रतिशत की मौजूदा दर में 2 प्रतिशत की वृद्धि है, ताकि महंगाई की भरपाई की जा सके। महंगाई भत्ते और महंगाई राहत दोनों में वृद्धि के कारण राजकोष पर प्रति वर्ष 6614.04 करोड़ रुपये का संयुक्त प्रभाव पड़ेगा। इससे लगभग 48.66 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारियों और 66.55 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। यह वृद्धि 7 वें केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित स्वीकृत फार्मूले के अनुसार है।

आकाशवाणी का आराधना चौनल नवरात्र के लिए विशेष कार्यक्रम प्रसारित करेगा

सूत्र/रे.स.ब्यू- नवरात्र के पावन अवसर पर, आकाशवाणी का आराधना यूट्यूब चौनल 30 मार्च से 6 अप्रैल 2025 तक विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रस्तुत करने के लिए तैयार है, जो श्रोताओं को पूरे नवरात्र उत्सव की अवधि में गहन भक्ति अनुभव प्रदान करेगा। प्रत्येक दिन के महत्व को याद करने के लिए, चौनल सुबह 8:00 बजे से रात 8:00 बजे तक विशेष रूप से तैयार की गई श्रृंखला पेश करेगा। इसके अतिरिक्त, शक्ति आराधना का प्रसारण प्रतिदिन सुबह 8 बजकर 30 मिनट से 8 बजकर 40 मिनट तक किया जाएगा, जिसमें दर्शकों को दिव्य प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी। इस समारोह का विशेष आकर्षण अनूप जलोटा, नरिंदर चंचल, जगजीत सिंह, हरिओम शरण, महेंद्र कपूर और अनुराधा पौडवाल जैसे प्रसिद्ध कलाकारों के गाए नवरात्र भजन होंगे। ये प्रस्तुतियाँ प्रतिदिन शाम 6:00 बजे से 7:00 बजे तक प्रसारित की जाएँगी। भक्तिमय अनुभव को और बढ़ाते हुए, नवरात्र पर प्रेरक कहानियाँ सुनाने वाली अनूठी श्रृंखला देवी माँ के अनेक स्वरूप का प्रसारण प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे से 9 बजकर 30 मिनट तक किया जाएगा। चौनल देश भर के विभिन्न शक्ति पीठों पर विशेष कार्यक्रम भी प्रस्तुत करेगा, जिससे श्रोताओं को देवी दुर्गा को समर्पित पवित्र स्थलों के बारे में गहन जानकारी मिलेगी। नवरात्र उत्सव का समापन श्री राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या से सीधे राम जन्मोत्सव पर भव्य लाइव कार्यक्रम के साथ होगा। यह विशेष प्रसारण 6 अप्रैल 2025 को सुबह 11 बजकर 45 मिनट से दोपहर 12 बजकर 15 मिनट तक होगा, जो पूरे देश में दर्शकों के लिए दिव्य उत्सव लेकर आएगा।

विद्युत लोको ट्रिप शेड निजामुद्दीन का मंडल रेल प्रबंधक आगरा ने किया निरीक्षण।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आगरा मंडल में गाड़ियों के सुरक्षित एवं संरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के क्रम में दिनांक 22.03.2025 को विद्युत लोको ट्रिप शेड निजामुद्दीन का मंडल रेल प्रबंधक आगरा श्री तेज प्रकाश अग्रवाल द्वारा निरीक्षण किया गया। आगरा मंडल में परिचालन क्षमता में वृद्धि के क्रम में नए अवसंरचना निर्माण कार्य निरंतर जारी है। निजामुद्दीन ट्रिप शेड में रेलवे विद्युत इंजन का अनुरक्षण किया जाता है। आगरा मंडल में तीन ट्रिप शेड हैं, जिसमें नई दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन और आगरा कैंट स्टेशन पर स्थापित हैं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेल इंजनों एवं ईएमयू की विश्वसनीयता बढ़ाने पर जोर दिया। इसके साथ ही शेड की कार्यकुशलता बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि संरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए। कार्यस्थल के दुर्घटना संभावित क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके साथ ही मंडल रेल प्रबंधक ने अनुरक्षण कार्य में लगे हुए कर्मचारियों से मुलाकात की और उन्हें कार्य की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक को विभिन्न अनुरक्षण गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया। इस दौरान मंडल के अधिकारीगण और कर्मचारी उपस्थित रहे।

चंदौली, उत्तर प्रदेश के लिए अमृत भारत स्टेशन योजनाः केंद्रीय रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री अश्विनी वैष्णव)

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर प्रदेश के चंदौली मझवार रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चुना गया है। इस योजना के अंतर्गत स्टेशनों के विकास के लिए निविदाएं जारी की जा चुकी हैं और विकास कार्य शुरू हो चुके हैं। इनमें स्टेशन भवन का विस्तार, नए पैदल पार पथ का निर्माण, प्लेटफार्म विस्तार, शौचालय सुधार, पार्किंग क्षेत्र और प्लेटफार्म शेल्टर जैसे सुधार कार्य शामिल हैं। अमृत भारत योजना में पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन रेलवे स्टेशन की पहचान भी की गई है, और इसके लिए मास्टर प्लान तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह योजना दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसमें स्टेशन की आवश्यकताओं के अनुसार प्लेटफार्मों का सुधार, स्वच्छता, वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी सुविधाओं का विकास शामिल है। इसके अतिरिक्त, दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाएं, मल्टी-मोडाल एकीकरण, और पर्यावरण अनुकूल समाधान पर भी ध्यान दिया जा रहा है। अब तक 1337 स्टेशनों का विकास के लिए चयन किया गया है, जिनमें 157 उत्तर प्रदेश में स्थित हैं। इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 12,994 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसमें से 4,188 करोड़ रुपये उत्तर प्रदेश के पांच जोनों के लिए निर्धारित किए गए हैं। रेलवे स्टेशनों का विकास जटिल प्रकृति का होता है, जिसमें विभिन्न अनुमतियों और ब्राउन फील्ड परियोजनाओं के कारण कार्यों की प्रगति प्रभावित हो सकती है।

मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट मार्केटिंग, उत्तर मध्य रेलवे ने किया कानपुर सेंट्रल पर निरीक्षण।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 24 मार्च, 2025 को मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे/फ्रेट मार्केटिंग श्रीमती अनु मणि त्रिपाठी ने कानपुर सेंट्रल पर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को और अधिक बेहतर बनाने के लिए खानपान स्टालों, पार्किंग तथा यात्री प्रतीक्षालय, डोरमेट्री, जन सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान मुख्य विद्युत इंजीनियर/उत्तर मध्य रेलवे, श्री के. एम. सिंह, उप मुख्य यातायात प्रबंधक/कानपुर, श्री आशुतोष सिंह, सहायक वाणिज्य प्रबंधक/कानपुर, श्री संतोष कुमार त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट मार्केटिंग, उत्तर मध्य रेलवे ने स्टेशन पार्किंग के निरीक्षण के दौरान यात्रियों को मैनुअल बिल के स्थान पर डिजिटल बिल देने एवं खानपान की सुविधाओं के निरीक्षण के दौरान गुणवत्ता के साथ स्वच्छता के मानकों का भी पालन करने का निर्देश दिया। मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ने आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए सामान्य प्रतीक्षालय में एसी लगाने का निर्देश दिया एवं स्टेशन परिसर में पेयजल सुविधाओं को और अधिक उन्नत करने पर जोर दिया। मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे ने प्लेटफार्म संख्या 6/7 पर निरीक्षण के दौरान यात्री शेडों को तत्काल दुरुस्त करने के लिए कहा।

महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने विभागाध्यक्षों के साथ की बैठकः बैठक में विशेष रूप से होली के उपरांत स्टेशनों एवं ट्रेनों में क्राउड मैनेजमेंट पर हुई चर्चा।

सूत्र/रे.स.ब्यू- पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा 18.03.2025 को मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की गयी। इस बैठक में पूर्व मध्य रेल के पांचों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे। बैठक में विशेष रूप से होली के उपरांत स्टेशनों एवं ट्रेनों में क्राउड मैनेजमेंट, स्पेशल ट्रेनों के परिचालन पर चर्चा हुई। उन्होंने स्टेशनों पर होली के उपरांत अत्याधिक भीड़ के मद्देनजर आवश्यकतानुसार स्पेशल ट्रेनों के परिचालन, ट्रेनों के समयपालन एवं यात्री सुविधा हेतु आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिए। महाप्रबंधक द्वारा पूर्व मध्य रेल पर चल रहे यात्री सुविधा एवं आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े कार्यों की भी समीक्षा की। परियोजनाओं की समीक्षा के क्रम में महाप्रबंधक ने निर्माण परियोजनाओं तथा रेल विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने का दिशा-निर्देश दिया।

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
SCAN QR
www.railsamacharbureauald.com

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः
१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
पंजीकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
कैंप कार्यालय- अनिल कौन (रिपोर्टर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

संपादकीय

चैत्र नवरात्रिः दिव्यता, शक्ति और आत्मबोध की यात्रा

चैत्र नवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, भक्ति और नवचेतना का अमृतमय अवसर है। यह नौ दिवसीय साधना हमें माँ दुर्गा की कृपा से अपने भीतर छिपी शक्ति को जागृत करने, आत्मबोध पाने और सच्चे अर्थों में आध्यात्मिक विकास की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देती है।

माँ की भक्ति से आत्मशुद्धि

नवरात्रि का हर दिन माँ के एक स्वरूप की आराधना के लिए समर्पित होता है, जो हमें बताता है कि जीवन में हर स्थिति के लिए एक अलग ऊर्जा और दृष्टिकोण आवश्यक है। माँ शैलपुत्री से लेकर माँ सिद्धिदात्री तक, प्रत्येक रूप हमें एक नया जीवन संदेश देता है कभी धैर्य, कभी ज्ञान, कभी साहस तो कभी करुणा।

संयम और तपस्या से आत्मशक्ति का जागरण

उपवास केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि यह आत्मसंयम और साधना का प्रतीक भी है। जब हम अपनी इंद्रियों को नियंत्रित करते हैं, तो मन अधिक स्थिर और शांत होता है। यह हमें सिखाता है कि जीवन में लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हमें अपने भीतर अनुशासन और आत्मनियंत्रण विकसित करना चाहिए।

बुराई पर अच्छाई की विजय

माँ दुर्गा का महिषासुर का वध यह दर्शाता है कि नकारात्मकता कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः सत्य, धर्म और सद्गुण की विजय होती है। नवरात्रि हमें यह प्रेरणा देती है कि हमें अपने भीतर की बुरी प्रव त्तियों क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार को त्यागकर आत्मशुद्धि की ओर बढ़ना चाहिए।

प्रकृति का सम्मान

चैत्र नवरात्रि वसंत ऋतु का शुभारंभ भी है, जब धरती हरियाली से भर जाती है, पेड़-पौधे नई कोंपलों से सज जाते हैं और प्रकृति अपने नवजीवन का स्वागत करती है। यह हमें

सिखाता है कि जीवन में नयापन और सकारात्मक परिवर्तन को अपनाना आवश्यक है। जैसे प्रकृति हर वर्ष खुद को नवस जित करती है, वैसे ही हमें भी अपनी सोच और आदतों में सकारात्मक बदलाव लाने चाहिए।

नारी शक्ति का जागरण

माँ दुर्गा स्वयं नारी शक्ति की प्रतीक हैं। नवरात्रि हमें यह सिखाती है कि प्रत्येक महिला के भीतर माँ की तरह अपार शक्ति है, जिसे पहचानकर उसे सशक्त बनाना हमारा कर्तव्य है। यह पर्व समाज में स्त्रियों के प्रति आदर, सम्मान और समानता का संदेश देता है।

भक्ति और ध्यान से आत्मबोध

नवरात्रि केवल बाहरी पूजन तक सीमित नहीं, बल्कि यह आत्मचिंतन और आध्यात्मिक उत्थान का भी समय है। जब हम माँ की आराधना में लीन होते हैं, तो हमारे भीतर की नकारात्मकता समाप्त होती है और आत्मा अधिक प्रकाशवान हो जाती है। यह समय है अपने भीतर झाँकने का, अपने दोषों को पहचानने का और सच्चे आत्मबोध की ओर बढ़ने का।

चैत्र नवरात्रि केवल नौ दिन का पर्व नहीं, बल्कि यह जीवन जीने की कला सिखाता है। यह हमें सिखाता है कि संयम, श्रद्धा, भक्ति, आत्मशक्ति, सत्य और प्रेम से हम अपने जीवन को सफल और सार्थक बना सकते हैं। माँ दुर्गा की कृपा से यह नवरात्रि हमारे जीवन में नई रोशनी और दिव्यता का संचार करे।

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव वि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ? कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

समृद्ध भारत की बुलंद तस्वीरः नया पंबन ब्रिज

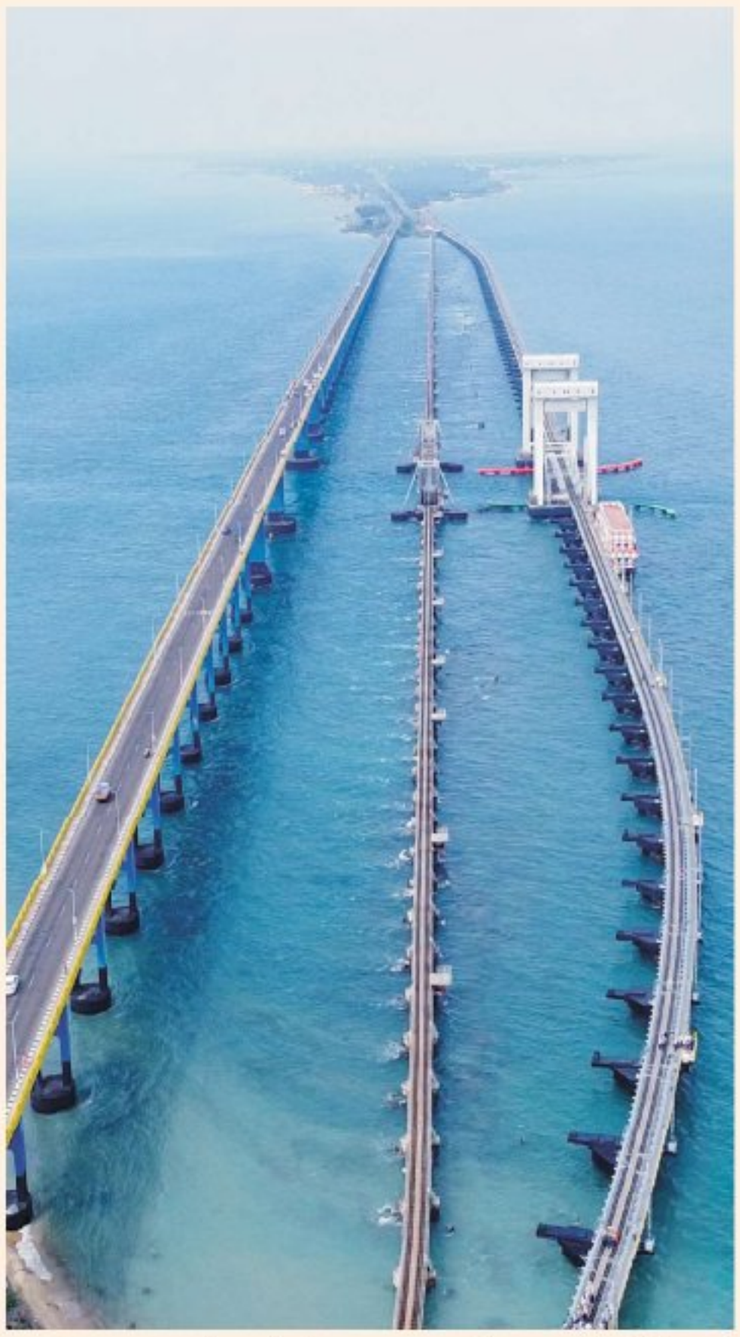

सूत्र/रे.स.ब्यू-'राष्ट्र सेवा' को मंत्र मानकर माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपनी अद्वितीय नेतृत्व क्षमता, अटूट संकल्प और दूरदर्शी सोच द्वारा भारत की आधारभूत संरचना को नए शिखर पर पहुंचा दिया है। प्रधानमंत्री जी की कर्मठता, अदम्य इच्छाशक्ति और राष्ट्र निर्माण की भावना ने हर ऐतिहासिक सपने को साकार किया है। उनके नेतृत्व में, भारतीय रेल भी विकास के आसमान में ऊंची उड़ान भर रही है। आए दिन नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रेलवे समृद्ध भारत के सफर में अपनी समुचित भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। तमिलनाडु के विशाल नीले समंदर पर निर्मित नया पांबन ब्रिज भी रेलवे विस्तार और इंजीनियरिंग कौशल की वो तस्वीर है जिसे देखकर हर भारतवासी को गर्व की अनुभूती होगी। यह भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे सी ब्रिज है, जो समुद्र के ऊपर से गुजरते हुए रामेश्वरम द्वीप को तमिलनाडु के मंडपम से जोड़ता है। यह पुल केवल दो स्थानों को जोड़ने का माध्यम ही नहीं, बल्कि नई तकनीक, आत्मनिर्भर भारत और तेज गति परिवहन का प्रतीक है। नए पांबन ब्रिज की अनूठी लिफ्ट प्रणाली बड़े जहाजों को भी आसानी से गुजरने की अनुमति देती है। मन्नार की खाड़ी पर स्थित यह पुल यातायात को सुगम बनाने के साथ अपने आप में एक ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व भी रखता है। आधुनिक तकनीक से निर्मित यह पुल भारतीय रेलवे के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जिससे आने वाले समय में समुद्री मार्गों पर निर्भर पर्यटन और व्यापार को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

परिवहन के नए युग की ओर

भारत का पहला समुद्री पुल पांबन ब्रिज का निर्माण 1911 में शुरू और 1914 में इसे यातायात के लिए खोल दिया गया था। तब यह भारत का एकमात्र समुद्री पुल था जो सन् 2010 में बान्द्रा-वर्ली समुद्रसेतु के खुलने तक भारत का सबसे लम्बा समुद्री सेतु रहा। अपनी सेवा समय के दौरान इस ब्रिज ने कई विकट परिस्थितियां देखी और उनका डटकर सामना किया। 1964 में आए एक चक्रवाती तूफान ने इस पुल को बहुत नुकसान पहुंचाया था बावजूद इसके ये समुद्र की लहरों के बीच अडिग खड़ा रहा और लगभग 106 साल तक देशहित में समर्पित रहा। 21वीं सदी और बदलते भारत की परिवहन आवश्यकताओं ने पुराने पांबन ब्रिज के समक्ष कई तरह की नई चुनौतियाँ रख दी थीं। जिसे देखते हुए आधुनिक ट्रेनों और बड़े समुद्री जहाजों की आवश्यकताओं के अनुरूप एक नई संरचना की जरूरत महसूस की गई। इस जरूरत को पूरा करने के लिए 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में इस नए ब्रिज के निर्माण की आधारशिला रखी गई। नवाचार का जूनून और विकास की अभूतपूर्व गति के कारण मात्र 4 साल में समुद्र पर इस अद्भुत निर्माण को पूरा कर लिया गया।

पांबन ब्रिज की विशेषताएँ

2.08 किलोमीटर का ये भव्य संरचना पुराने पांबन ब्रिज से से 3 मीटर अधिक ऊँचा है, ताकि छोटे जहाज सुगमता के साथ इसके नीचे से होकर गुजर सकें। इस पूरे ब्रिज को बनाने में 18.3 मीटर के 99 स्पैन का प्रयोग किया गया है साथ ही ब्रिज के मध्य में 72.5 मीटर का एक वर्टिकल लिफ्ट स्पैन है, जिसे जरूरत पड़ने पर बड़े जहाजों के लिए 17 मीटर तक ऊपर उठाया जा सकता है। इस ब्रिज में 333 पाइल्स और 101 पाइल कैप्स का इस्तेमाल कर मजबूत आधार के साथ दोहरी रेल लाइनों के लिए डिजाइन किया गया है। जिसपर भारी-भरकम मालगाड़ियों के साथ वंदे भारत जैसी तेज गति से चलने वाली अत्याधुनिक सेमी हाई-स्पीड ट्रेनें भी बड़े ही आसानी से गुजर सकती है। साथ ही इसकी सतह को 58 वर्षों तक सुरक्षित रखने के लिए उत्कृष्ट सुरक्षा प्रणाली अपनाई गई है। इस ब्रिज के निर्माण के दौरान समुद्री तूफानों, तेज हवाओं और ज्वार-भाटाओं जैसी परिस्थितियों का भी खास ध्यान रखा गया है। पॉलिसिलोक्सेन पेंट, स्टेनलेस स्टील और फाइबर रिइंफोर्स्ड प्लास्टिक (FRP) के प्रयोग ने समुद्र के खारा पानी के बीच होते हुए भी इसे लंबे समय तक मजबूत और टिकाऊ बनाए रखेगा।

निर्माण की उपलब्धियाँ

यह ब्रिज पुराने पुल की तुलना में अधिक टिकाऊ और अत्याधुनिक तकनीकों से बनाया गया है। इसका सब-स्ट्रक्चर भी तय समय सीमा से पहले ही पूरा कर लिया गया था, जो इसकी मजबूती को सुनिश्चित करता है। सटीक और अद्भुत इंजीनियरिंग के तहत इस पुल के लिए 99 स्पैन को एकल लाइन हेतु निर्मित कर उत्कृष्टता के साथ स्थापित किया गया है। इसकी निर्माण तकनीक और डिजाइन इसे केवल दक्षिण भारत में ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण संरचना बनाते हैं।

डिजाइन में तकनीकी का समावेश

इस पुल का डिजाइन जहां इंटरनेशनल कंसल्टेंट TYPSA द्वारा बनाया गया है तो वही IIT चेन्नई व IIT बॉम्बे द्वारा डिजाइन को सत्यापित किया गया है। उच्च ग्रेड सामग्री और स्टेनलेस स्टील के प्रयोग ने इसे एक दृढ़, सुरक्षित और कम रखरखाव वाली संरचना बना दिया है। ब्रिज के केंद्र में 72.5 मीटर का वर्टिकल लिफ्ट स्पैन है, जिसे जहाजों के आकार के हिसाब से ऊपर-नीचे किया जा सकता है।

आस्था और प्रगति का संगम

पांबन ब्रिज का भगवान राम और भगवान शिव के साथ सीधा संबंध है। ये ब्रिज जिस द्वीप रामेश्वरम को मुख्य भूमि से जोड़ता है, उसे हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। यहां स्थित रामेश्वरम मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। ऐसा माना जाता है कि जब भगवान श्रीराम लंका पर चढ़ाई करने जा रहे थे, तब उन्होंने इस ज्योतिर्लिंग की स्थापना की थी और भगवान शिव की पूजा की थी। पांबन ब्रिज से होकर गुजरने वाला मार्ग भगवान राम की लंका यात्रा का महत्वपूर्ण भाग माना जाता है, जिससे यह धार्मिक रूप से और भी विशेष हो जाता है। रामायण के अनुसार, भगवान राम और उनकी वानर सेना ने लंका जाने के लिए रामसेतु का निर्माण किया था, जो वर्तमान पांबन ब्रिज के पास स्थित है। ऐसे में नया पांबन ब्रिज श्रद्धालुओं के लिए रामेश्वरम की यात्रा को आसान और सुरक्षित बनाएगा। यह पुल आधुनिक तकनीक से निर्मित है, जिससे श्रद्धालु बिना किसी बाधा के भगवान शिव और भगवान राम से जुड़े स्थलों के दर्शन कर सकते हैं।

एक गौरवशाली उपलब्धि

नया पांबन ब्रिज भारत की नवाचार क्षमता, अद्वितीय इंजीनियरिंग कौशल और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान का एक अद्भुत प्रतीक है। साथ ही भारत की तकनीकी प्रगति, आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण के प्रति प्रतिबद्धता का भी जीवंत प्रमाण है। यह ब्रिज समुद्र की लहरों के ऊपर दृढ़ संकल्प की तरह खड़ा है, जो दो स्थानों को पाटने के साथ-साथ भारत की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति और भविष्य की असीम संभावनाओं को भी दर्शाता है। 6 अप्रैल 2025 को राम नवमी के अवसर पर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे राष्ट्र को समर्पित करेंगे। जिसके बाद यातायात और परिवहन को सुगम बनाते हुए यह ब्रिज पर्यटन, व्यापार और सांस्कृतिक संवाद को नया आयाम देगा, जिससे भारत की प्रगति और समृद्धि को और अधिक गति मिलेगी।

सदस्य ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक, रेलवे बोर्ड श्री बी.एम. अग्रवाल द्वारा झांसी क्षेत्र का निरीक्षण।

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे के सदस्य ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक श्री बी.एम. अग्रवाल ने झांसी क्षेत्र के विभिन्न रेल प्रतिष्ठानों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वैगन रिपेयर वर्कशॉप, रेल कोच नवीनीकरण कारखाने एवं वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन स्थित लॉबी का गहन निरीक्षण कर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्री अग्रवाल ने वर्कशॉप के विभिन्न शापों में जाकर मरम्मत कार्यप्रणाली का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता, दक्षता और सुरक्षा मानकों की समीक्षा की तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उच्चतम मानकों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री अजय श्रीवास्तव उपस्थित रहे। इसके पश्चात श्री अग्रवाल ने रेल कोच नवीनीकरण कारखाने का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भंडारण डिपो की स्वचालित भंडारण और वापसी प्रणाली, व्हील शॉप, बोगी शॉप, स्प्रिंग लाइन एवं रोबोटिक पेंट बूथ का जायजा लिया। उन्होंने कारखाने में सुरक्षा एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री अतुल कनौजिया मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान श्री अग्रवाल ने वंदे भारत ट्रेनों के मरम्मत कार्य हेतु प्रस्तावित साइट का भी निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने व क्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा कांफ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आउटपुट बढ़ाने एवं गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात श्री अग्रवाल वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने संयुक्त क्रू लॉबी एवं रनिंग रूम का निरीक्षण किया। लॉबी

निरीक्षण के दौरान उन्होंने साइन ऑफ प्रक्रिया, एफएस डिवाइस की उपलब्धता, वीएचएफ फ्रीक्वेंसी तथा अन्य महत्वपूर्ण सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने उपस्थित लोको पायलटों से संवाद कर उनकी कार्यप्रणाली एवं ज्ञान को परखा तथा लॉबी में कार्य से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों को देखा। इसके बाद उन्होंने रनिंग रूम का दौरा किया, जहां उन्होंने स्टाफ को प्रदान की जा रही आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने रनिंग स्टाफ की आरामदायक एवं सुरक्षित ड्यूटी सुनिश्चित करने हेतु सुविधाओं के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। श्री अग्रवाल ने रनिंग स्टाफ से सीधे संवाद कर उनकी आवश्यकताओं एवं सुझावों को सुना। निरीक्षण के उपरांत श्री अग्रवाल ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय सभागार में मंडल के सभी शाखा अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने झांसी मंडल में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया एवं ट्रेन परिचालन की गति एवं दक्षता बढ़ाने के संबंध में चर्चा की। उन्होंने महाकुंभ मेले के दौरान मंडल द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और स्टाफ को प्रेरित करने पर जोर दिया। साथ ही, तीसरी लाइन के परिचालन से ट्रेन गति में संभावित वृद्धि पर अपने विचार साझा किए। निरीक्षण के दौरान श्री अग्रवाल ने रेलवे के कार्यों की सराहना करते हुए सभी कर्मचारियों को अपने कार्यों में और अधिक निपुणता एवं प्रतिबद्धता के साथ योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान श्री अनिमेष कुमार सिन्हा (प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर) उत्तर मध्य रेल, श्री यतेंद्र कुमार (प्रमुख मुख्य विद्युत् इंजीनियर) उत्तर मध्य रेल, EDe डर्नाइज श्री जयंत कुमार, श्री सुनील कुमार भारती (मुख्य कारखाना इंजीनियर) उत्तर मध्य रेल, श्री मनीष अग्रवाल (कार्यकारी निदेशक) रेल विकास निगम लिमिटेड, अपर मंडल रेल प्रबंधक/परिचाल श्री नंदीश शुक्ल, अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा श्री पी पी शर्मा, के साथ-साथ अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंधक, लखनऊ ने मुख्यमंत्री से की भेंट, महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन पर आभार व्यक्त किया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम), लखनऊ श्री एस.एम. शर्मा ने उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन में मिले सहयोग और समर्थन हेतु आभार व्यक्त किया। महाकुंभ 2025 के दौरान रेलवे ने विशेष ट्रेनों का संचालन, अतिरिक्त यात्री सुविधाओं, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता, और सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता दी, जिससे लाखों श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा अनुभव प्राप्त हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से रेलवे ने सभी व्यवस्थाओं को सफलतापूर्वक संपन्न किया, जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। रेलवे प्रशासन ने यात्री सुविधाओं के विस्तार, ट्रेनों के सुचारु संचालन, प्लेटफार्म प्रबंधन और आधुनिक तकनीकों के उपयोग के माध्यम से महाकुंभ की तैयारियों को प्रभावी रूप से लागू किया। इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के मुदित चंद्रा और राजेश कुमार को प्राप्त हुआ रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक।

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाप्रबंधक श्री उपेन्द्र चंद्र जोशी के संरक्षण एवं कुशल मार्गदर्शन तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री सतेन्द्र कुमार के प्रयासों के फलस्वरूप उत्तर मध्य रेलवे राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के क्षेत्र में नित नई उपलब्धियाँ हासिल कर रही है। सम्पूर्ण भारतीय रेल में राजभाषा हिंदी के सर्वोत्कृष्ट प्रयोग-प्रसार के लिए रेलस्प्रिंग कारख़ाना, उत्तर मध्य रेलवे, सिथौली को प्रथम पुरस्कार स्वरूप रेल मंत्री राजभाषा शील्ड तथा रु. 14,000/- के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त उत्तर मध्य रेलवे में कार्यरत श्री मुदित चंद्रा, मुख्य कार्मिक अधिकारी/प्रशासन तथा श्री राजेश कुमार, मुख्य परिवहन योजना प्रबंधक को सरकार की राजभाषा नीति के सुचारु कार्यान्वयन सुनिश्चित करने तथा सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिंदी का उत्कृष्ट और अनुकरणीय प्रयोग करने के लिए रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक से सम्मानित किया गया है। उल्लेखनीय है कि रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक-2022 से सम्मानित श्री चंद्र उस समय अपर मंडल रेल प्रबंधक, आगरा में कार्यरत थे। ये सिविल सेवा परीक्षा 1998 बैच के आई.आर.पी.एस. अधिकारी हैं और इससे पूर्व उप महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी/प्रयागराज, आगरा एवं झांसी के पद पर हिंदी में योगदान दिया है। श्री चंद्रा प्रयागराज के मूल निवासी हैं और इन्होंने अपनी शिक्षा-दीक्षा प्रयागराज के सेंट जोसेफ कॉलेज एवं उसके उपरांत एम.एन.आई.टी. से पूरी की है। श्री राजेश कुमार, मुख्य यातायात योजना प्रबंधक जो मूलतः बांदा के निवासी हैं, उस समय IRCTC में पोस्ट-समूह महाप्रबंधक/पर्यटन एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी थे। उस दौरान उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ाने में उत्कृष्ट योगदान किया है और अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में काम करने की प्रेरणा देने के साथ ही साथ स्वयं भी हिंदी में अच्छा कार्य किया है। उत्तर मध्य रेलवे को ये पुरस्कार रेल मंत्रालय में आयोजित राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड, श्री सतीश कुमार के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया।

पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन द्वारा 21 महिला रेल कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए किया गया सम्मानित।

सूत्र/रे.स.ब्यू - पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, हाजीपुर द्वारा पाटलिपुत्र रेल परिसर, दीघा में दिनांक 19.03.2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, हाजीपुर की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता सिंह एवं संगठन की अन्य सदस्याओं द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर मुख्यालय हाजीपुर एवं विभिन्न मंडलों से आए कलाकारों द्वारा मनभावन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसका सभागार में उपस्थित सभी लोगों ने भरपूर आनंद उठाया। इस अवसर पर संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता सिंह द्वारा चयनित 21 महिला रेल कर्मचारियों को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित की गई महिला कर्मचारियों में से पं. दीनदयाल उपाध्याय मंडल की सुश्री पिंकी कुमार /प्वाइंट्समैन को विशिष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिन्हें रेलवे महिला कल्याण केंद्रीय संगठन, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में भी पुरस्कृत किया गया था।

हाइपरलूप परियोजना के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स प्रौद्योगिकी का विकास आईसीएफ चेन्नई में किया जाएगाः केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री वैष्णव ने घोषणा की कि हाइपरलूप परियोजना के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स घटक प्रौद्योगिकी चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) में विकसित की जाएगी। उन्होंने आईआईटी मद्रास डिस्कवरी कैम्पस स्थित हाइपरलूप परीक्षण सुविधा केंद्र का दौरा किया और इसका लाइव प्रदर्शन देखा। केन्द्रीय मंत्री श्री वैष्णव ने कहा कि आईआईटी चेन्नई में स्थित 410 मीटर लंबी हाइपरलूप टेस्ट ट्यूब एशिया की सबसे लंबी हाइपरलूप परीक्षण सुविधा है। पत्रकारों से बात करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि हाइपरलूप परिवहन के लिए संपूर्ण परीक्षण प्रणाली स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके विकसित की गई है और उन्होंने इस उपलब्धि के लिए सभी युवा प्रतिभाओं को बधाई दी। श्री वैष्णव ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत शीघ्र ही हाइपरलूप परिवहन के लिए तैयार हो जाएगा, क्योंकि वर्तमान में विकासाधीन हाइपरलूप परिवहन प्रौद्योगिकी ने अब तक किए गए परीक्षणों में उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं। रेल मंत्रालय ने हाइपरलूप परियोजना के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की है। इस हाइपरलूप परियोजना के लिए सभी इलेक्ट्रॉनिक्स प्रौद्योगिकी चेन्नई स्थित आईसीएफ में विकसित की जाएगी। श्री वैष्णव ने कहा कि आईसीएफ कारखाने के विशेषज्ञों ने वंदे भारत हाई-स्पीड ट्रेनों के लिए बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम को सफलतापूर्वक विकसित किया है और हाइपरलूप परियोजना के लिए यह इलेक्ट्रॉनिक्स प्रौद्योगिकी भी आईसीएफ में विकसित की जाएगी। बाद में, श्री वैष्णव ने गिंडी स्थित

श्री वैष्णव ने इस सफल प्रयोग के लिए आईआईटी चेन्नई और आविष्कार संगठन के युवा नवप्रवर्तकों को बधाई दी।

आईआईटी चेन्नई परिसर का दौरा किया और आईआईटी के इनोवेशन सेंटर द्वारा आयोजित प्रदर्शनी ओपन हाउस 2025 का अवलोकन किया। उन्होंने छात्रों और युवा नवप्रवर्तकों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सभी क्षेत्रों में अग्रणी बनेगा। श्री वैष्णव ने कहा कि युवा डेटा विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में कुशलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं और भारत में दुनिया में सबसे अधिक कुशल युवा हैं, जो भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वर्तमान में देश में पाँच सेमीकंडक्टर प्रणालियां कार्यरत हैं और भारत में निर्मित पहला सेमीकंडक्टर इस वर्ष के अंत तक लॉन्च किया जाएगा। श्री वैष्णव ने प्रदर्शनी के दौरान आयोजित नवाचार प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए तथा उन्हें और अधिक नए आविष्कार करने के लिए प्रोत्साहित किया। आईआईटी चेन्नई के निदेशक डॉ. कामकोटि भी समारोह में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी ने टनकपुर-दौराई एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी, यात्रियों को मिलेगा सीधा लाभ।

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने 30 मार्च, 2025 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 15092 टनकपुर-दौराई एक्सप्रेस के नियमित संचालन का शुभारंभ किया। यात्रियों की सुविधा हेतु 15092/15091 टनकपुर-दौराई-टनकपुर एक्सप्रेस का नियमित संचलन 30 मार्च, 2025 से प्रत्येक सोमवार, बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार को (सप्ताह में चार दिन) तथा दौराई से 31 मार्च, 2025 से प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, ब हस्पतिवार एवं शनिवार को (सप्ताह में चार दिन) किया जायेगा। 15092 टनकपुर-दौराई एक्सप्रेस नियमित रूप से 30 मार्च, 2025 से प्रत्येक सोमवार, बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार को (सप्ताह में चार दिन) टनकपुर से 18.20 बजे प्रस्थान कर खटीमा से 18.45 बजे, पीलीभीत जं० से 19.27 बजे, भोजीपुरा जं० से 20.05 बजे, इज्जतनगर से 20.45 बजे, बरेली सिटी से 21.10 बजे, बरेली जं० से 21.20 बजे, चंदौसी से 23.30 बजे, दूसरे दिन मुरादाबाद से 00.45 बजे, गाजियाबाद से 03.20 बजे, दिल्ली जं० से 04.40 बजे, दिल्ली कैण्ट से 05.17 बजे, गुड़गांव से 05.35 बजे, रेवाड़ी जं० से 06.47 बजे, नारनौल से 07.58 बजे, नीम का थाना से 08.56 बजे, श्री माधोपुर से 09.25 बजे, रिंगस जं० से 09.40 बजे, फुलेरा से 11.35 बजे, किशनगढ़ से 12.22 बजे तथा अजमेर जं० से 13.20 बजे छूटकर दौराई 13.55 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 15091 दौराई-टनकपुर एक्सप्रेस नियमित रूप से 31 मार्च, 2025 से प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार एवं शनिवार को (सप्ताह में चार दिन) दौराई से 16.05 बजे प्रस्थान कर अजमेर जं० से 16.35 बजे, किशनगढ़ से 17.07 बजे, फुलेरा से 18.00 बजे, रिंगस जं० से 18.55 बजे, श्री माधोपुर से 19.07 बजे, नीम का थाना से 19.47 बजे, नारनौल से 20.37 बजे, रेवाड़ी जं० से 22.05 बजे, गुड़गांव से 22.32 बजे, दिल्ली कैण्ट से 22.52 बजे, दूसरे दिन दिल्ली जं० से 00.35 बजे, गाजियाबाद से 01.27 बजे, मुरादाबाद से 04.10 बजे, चंदौसी से 05.15 बजे, बरेली जं० से 06.35 बजे, बरेली सिटी से 06.50 बजे, इज्जतनगर से 07.06 बजे, भोजीपुरा जं० से 07.21 बजे, पीलीभीत जं० से 07.58 बजे तथा खटीमा से 08.45 बजे छूटकर टनकपुर 09.35 बजे पहुंचेगी।

राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ ने 28वें दीक्षांत समारोह और शिष्योपनयनीय संस्कार का आयोजन किया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ (आरएवी) ने 17 मार्च 2025 को नई दिल्ली में अपने 28वें दीक्षांत समारोह और शिष्योपनयन संस्कार का आयोजन किया। इस अवसर पर आयुर्वेद शिक्षा और अभ्यास में उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए आरएवी ने एक अंतर्राष्ट्रीय और छह राष्ट्रीय संस्थानों को मान्यता प्रदान की। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री श्री प्रताप राव जाधव ने समारोह को संबोधित करते हुए, आयुर्वेद के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और अनुसंधान को एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि निवारक स्वास्थ्य देखभाल में आयुर्वेद की भूमिका को और मजबूत किया जाना चाहिए। आरएवी ने इस अवसर पर आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य करने के लिए प्रो. बनवारी लाल गौड़, प्रो. कुलवंत सिंह, वैद्य मोहन नारायण तांबे और डॉ. बिधुभूषण नंदा को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक सीआरएवी गुरुओं और 120 शिष्यों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा में अपनी सक्रिय भागीदारी और योगदान को प्रदर्शित किया। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड आयुर्वेद (डीएनबी) कार्यक्रम की शुरुआत की घोषणा की, जो आयुर्वेदिक शिक्षा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस समारोह ने आरएवी की प्रतिबद्धता को मजबूत किया, जो आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए लगातार प्रयासरत है।

डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र (जीटीएमसी), जामनगरः पारंपरिक चिकित्सा के लिए साक्ष्य आधारित अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं जागरूकता के लिए वैश्विक कल्याण का केंद्र।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ मिलकर पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए तीन परियोजना सहयोग समझौतों (पीसीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा की वैश्विक पहचान को मजबूत करना और वैश्विक स्वास्थ्य से संबंधित नीतियों के विकास में सदस्य देशों की सहायता करना है। इस पहल के तहत, आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए), जामनगर, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), नई दिल्ली, और राष्ट्रीय भारतीय आयुर्विज्ञान विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद, डब्ल्यूएचओ के पारंपरिक चिकित्सा के सहयोगात्मक केंद्र के रूप में कार्य करेंगे। इसके अलावा, डब्ल्यूएचओ मुख्यालय जिनेवा में एक आयुष विशेषज्ञ और डब्ल्यूएचओ के दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्रीय कार्यालय (एसईएआरओ) में एक तकनीकी अधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र (जीटीएमसी), जामनगर, पारंपरिक चिकित्सा के लिए साक्ष्य-आधारित अनुसंधान, प्रशिक्षण और जागरूकता को बढ़ावा देने का एक प्रमुख केंद्र बनेगा। यह पारंपरिक, पूरक और समाकलित चिकित्सा (टीसीआईएम) के लिए एक वैश्विक ज्ञान केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इसका उद्देश्य आयुष प्रणालियों को वैश्विक स्तर पर स्थापित करना, पारंपरिक चिकित्सा की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावशीलता सुनिश्चित करना, और पारंपरिक चिकित्सा के डेटा संग्रहण और विश्लेषण के लिए मानक विकसित करना है। यह केंद्र प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा की पहुंच और विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देगा, साथ ही वैश्विक सहयोग को भी प्रोत्साहित करेगा।

आयुष संस्थानों ने मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता के लिए निःशुल्क दंत जांच और कार्यशालाएं आयोजित की।

सूत्र/रे.स.ब्यू- विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयुष मंत्रालय के विभिन्न संगठनों और संस्थानों ने मौखिक स्वच्छता बनाए रखने के महत्व और समग्र स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान आयोजित किया। इस अभियान में छात्रों, समुदाय के सदस्यों और डॉक्टरों ने कार्यशालाओं, प्रदर्शनों और निःशुल्क दंत जांच में भाग लिया। मुख्य उद्देश्य लोगों को मौखिक स्वच्छता की अच्छी आदतों और निवारक उपायों के बारे में शिक्षित करना था।

ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी 2016 के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 3.58 अरब लोग मौखिक रोगों से प्रभावित हैं, जिसमें स्थायी दांतों की सड़न सबसे सामान्य है। आयुर्वेद में, मौखिक स्वच्छता बनाए रखने के लिए दंत धवना (दांत साफ करना), जिह्वा निर्लेखन (जीभ की सफाई), कवला (गरारे करना), और गंडूष (तेल से गरारे) जैसी तकनीकों को दिनचर्या में शामिल किया गया है।

प्रमुख संस्थानों द्वारा की गई पहलों में शामिल हैंः

- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA), नई दिल्लीः प्रो. (डॉ.) मंजूषा राजगोपाला ने दांतों की सड़न से बचने के लिए खाद्य विकल्पों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने नरम ब्रिसल वाले टूथब्रश के इस्तेमाल और जंक फूड से बचने की सलाह दी।
- केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (CCRYN), नई दिल्लीः झज्जर में छात्रों और ग्रामीणों के लिए शैक्षणिक सत्र और निःशुल्क दंत जांच का आयोजन किया गया।
- क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (यूनानी), बेंगलुरुः डॉ. फाकेहा फिरदौस ने ''मौखिक स्वच्छता के महत्व'' पर व्याख्यान दिया और छात्रों को दांतों की देखभाल के उपायों के बारे में बताया।
- राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (NIN), पुणेः डॉ. रुतिका महाजन ने प्राकृतिक चिकित्सा और योग ष्टिकोण से मौखिक स्वच्छता पर व्याख्यान दिया।

इस अभियान ने यह संदेश दिया कि मौखिक स्वच्छता सिर्फ एक शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू है।

'जल है जीवन'

जल है जीवन इसे बर्बाद मत करो
संरक्षण में इसके आप भी योगदान करो।
धरातल पर जीवन का है यही आधार,
आप इसे यूं हीं मत करो बर्बाद।
पृथ्वी पर है यह सतर प्रतिशत, तीन प्रतिशत मीठा
एक प्रतिशत हीं पीने योग्य शुद्ध बचा है करो आप समीकक्षा।
खुला छोड़ नल जल को नाले में बहाते हो,
भूगर्भ जल बढ़ाने के लिए सोखता क्यों नहीं बनाते हो।
तालाब आहर नहर को आपने भर दिया
धरातल के ज्यादातर हिस्सों को कंक्रीट से ढंक दिया।
जंगल को आपने काटा, नदी को मिटा दिया
भूगर्भ जल के अस्तित्व में आपने बट्टा लगा दिया।
जल है जीवन इसे बचाव, सिर्फ न स्लोगन लगाव
इसकी स्वच्छता शुद्धता को आप न मिटाव।
जल है जीवन इसे बर्बाद मत करो
संरक्षण में इसके आप भी योगदान करो।

नरेन्द्र कुमार
बचरी(तापा), अखगांव, संदेश, भोजपुर (आरा) बिहार

आयुष मंत्रालय ने राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम के पहले बैच का उद्घाटन किया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय ने 18 मार्च 2025 को राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम के पहले बैच का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम, जो क्षमता निर्माण आयोग द्वारा शुरू किया गया है, सार्वजनिक सेवा के प्रति केंद्र सरकार के कर्मचारियों के दृष्टिकोण को बदलने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। आयुष मंत्रालय के सचिव, वैद्य राजेश कोटेचा ने उद्घाटन के दौरान बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य केवल सेवा भावना को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि इसमें व्यक्तियों को कौशल से संपन्न करना और उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाना भी शामिल है। यह कार्यक्रम कर्मचारियों को उनके कर्तव्यों के प्रति उत्तरदायित्व और समाज की भलाई में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर उप महानिदेशक, श्री सत्यजीत पॉल ने भी अपने विचार साझा किए, जिसमें उन्होंने सही दृष्टिकोण अपनाने की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि यह दृष्टिकोण कर्मचारियों को कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में मदद करेगा और कार्यस्थल पर शांति एवं संगठनात्मक दक्षता को बढ़ावा देगा। प्रशिक्षण सत्रों का नेतृत्व डॉ. सुबोध कुमार (निदेशक) और कार्यक्रम समन्वयक सुश्री शिप्रा सिंह द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में पारंपरिक व्याख्यान-आधारित प्रशिक्षण की बजाय संवादात्मक और भागीदारी वाली पद्धतियों को अपनाया गया। इसमें टीमवर्क, समस्या-समाधान और आत्म-खोज पर जोर दिया गया, जिससे कर्मचारियों को नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रेरणा मिली। कार्यक्रम में आयुष मंत्रालय की राष्ट्रव्यापी पहलों और अभियानों के बारे में भी जानकारी साझा की गई, जिससे कर्मचारियों को व्यावहारिक संदर्भ प्राप्त हुआ।

हीटवेव के संबंध में सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए सक्रिय कदम उठाए।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय ने बढ़ते तापमान और हीटवेव से निपटने के लिए देशभर में जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों को हीटवेव से बचाव के उपायों के बारे में सूचित करना है। आयुष मंत्रालय के संस्थान जैसे आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए), जामनगर और केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान ने विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। आईटीआरए ने 20 मार्च 2025 को बढ़ते तापमान के प्रभावों से बचने के लिए एक जागरूकता सत्र आयोजित किया, जिसमें शैक्षिक पर्चे वितरित किए गए। ये पर्चे गर्मी से संबंधित बीमारियों को रोकने के उपायों जैसे अधिक पानी पीने, सीधी धूप से बचने और हीटवेव के चेतावनी संकेतों को पहचानने पर जोर देते हैं। इसके अलावा, डॉ. जयप्रकाश राम ने अहमदाबाद में हीटवेव जागरूकता पर व्याख्यान दिया और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी उपायों पर जानकारी दी। केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान की डॉ. प्रीति ने योग और प्राकृतिक चिकित्सा की मदद से हीटवेव से बचाव के उपायों पर मार्गदर्शन किया।

आयुष मंत्रालय ने निम्नलिखित सार्वजनिक स्वास्थ्य सलाह भी जारी कीः

- हाइड्रेटेड रहें, खूब पानी और शीतल पेय जैसे नारियल पानी पिएं।
- हल्का भोजन करें और सूती कपड़े पहनें।
- सूर्य से बचने के लिए छाता या चौड़ी टोपी पहनें।
- गर्मी के दौरान दोपहर में आराम करें और देर तक बाहर न जाएं।

यह अभियान नागरिकों को हीटवेव से बचाव के वैज्ञानिक और पारंपरिक उपायों से परिचित कराने के लिए चलाया जा रहा है।

'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'–अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 का थीमः 'मन की बात' में प्रधानमंत्री

हम सभी के लिए यह गर्व की बात है कि आज हमारे योग और पारंपरिक चिकित्सा के बारे में दुनिया भर में जिज्ञासा बढ़ रही हैः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

सूत्र/रे.स.ब्यू- अपने ''मन की बात'' संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दैनिक जीवन में फिटनेस के महत्व पर जोर दिया और फिट इंडिया कार्निवल तथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जैसी पहलों की प्रशंसा की। स्वस्थ विश्व जनसंख्या के लिए भारत के दृष्टिकोण को साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''योग दिवस 2025 की थीम 'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग' रखी गई है । यानी हम योग के माध्यम से पूरी दुनिया को स्वस्थ बनाना चाहते हैं।'' उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के तहत आने वाले प्रमुख संस्थान मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) को इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) को बड़े पैमाने पर मनाने के लिए गतिविधियों के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संस्थान ने हाल ही में 13 मार्च, 2025 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित योग महोत्सव कार्यक्रम के दौरान अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के लिए 100-दिवसीय उलटी गिनती का अनावरण किया। लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम के 120 वें एपिसोड के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा, "आज फिटनेस के साथ-साथ गिनती भी बहुत बड़ी भूमिका निभाती है। एक दिन में कितने कदम चले, एक दिन में कितनी कैलोरी खाई, कितनी कैलोरी बर्न की इन सब गिनतियों के बीच, एक और उल्टी गिनती शुरू होने वाली है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की उल्टी गिनती। योग दिवस में अब 100 दिन से भी कम समय बचा है। अगर आपने अभी तक योग को अपने जीवन में शामिल नहीं किया है, तो अभी करें अभी भी देर नहीं हुई है। पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 10 साल पहले 21 जून, 2015 को मनाया गया था। अब यह दिन योग के एक भव्य उत्सव का रूप ले चुका है। ये भारत की तरफ से मानवता को एक ऐसी अनमोल सौगात है, जो आने वाली पीढ़ियों को बहुत काम आने वाली है।" जैसे-जैसे दुनिया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2025 के लिए तैयार हो रही है, "एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग" थीम केंद्र में है और इसके इर्द-गिर्द कई तरह की गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। 2025 की थीम शारीरिक, मानसिक और पर्यावरणीय कल्याण को बढ़ावा देने में योग की भूमिका पर प्रकाश डालती है, जो स्थिरता और एकता के लिए वैश्विक आह्वान के साथ संरेखित है। यह 2014 में भारत के प्रस्ताव के बाद संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दिए जाने के एक दशक की सफलता पर आधारित है। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा, ''यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि आज हमारे योग और पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को लेकर पूरी दुनिया में जिज्ञासा बढ़ रही है। बड़ी संख्या में युवा योग और आयुर्वेद को स्वास्थ्य के एक बेहतरीन माध्यम के रूप में अपना रहे हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण अमेरिका का एक देश है चिली। वहां आयुर्वेद तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। पिछले साल ब्राजील की अपनी यात्रा के दौरान मैंने चिली के राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। आयुर्वेद की लोकप्रियता को लेकर हमारी काफी चर्चा हुई थी। दुनिया भर में आयुष प्रणालियों की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और इसमें प्रमुख हितधारकों के योगदान को स्वीकार करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा, ''मुझे 'सोमोस इंडिया' नाम की एक टीम के बारे में पता चला है। स्पेनिश में इसका मतलब है - 'हम भारत हैं'। यह टीम लगभग एक दशक से योग और आयुर्वेद को बढ़ावा दे रही है। उनका ध्यान इलाज के साथ-साथ शैक्षणिक कार्यक्रमों पर भी है। वे योग और आयुर्वेद से जुड़ी जानकारियों का स्पेनिश भाषा में अनुवाद भी करवा रहे हैं। अगर पिछले साल की ही बात करें तो उनके असंख्य कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों में लगभग 9 हजार लोगों ने हिस्सा लिया था। मैं इस टीम से जुड़े सभी लोगों को उनके प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ।" प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी सभी से योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने तथा समग्र कल्याण के लिए देश के पारंपरिक ज्ञान पर गर्व करने की अपील की।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के लिए 10 अनोखे कार्यक्रम

इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की गतिविधियां वैश्विक आयोजन के 11वें संस्करण को महत्त्वपूर्ण बनाने के लिए 10 अद्वितीय कार्यक्रमों के इर्द-गिर्द घूमेंगी, जो इसे सबसे व्यापक और समावेशी बनाती हैं:

- योग संगम - 10,000 स्थानों पर एक समन्वित योग प्रदर्शन, जिसका लक्ष्य विश्व रिकॉर्ड बनाना है ।
- योग बंधन - प्रतिष्ठित स्थलों पर योग सत्र आयोजित करने के लिए 10 देशों के साथ वैश्विक साझेदारी।
- योग पार्क – दीर्घकालिक सामुदायिक सहभागिता के लिए 1,000 योग पार्कों का विकास।
- योग समावेश - दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों और हाशिए पर पड़े समूहों के लिए विशेष योग कार्यक्रम।
- योग प्रभाव - सार्वजनिक स्वास्थ्य में योग की भूमिका पर एक दशकीय प्रभाव का मूल्यांकन।
- योग कनेक्ट - एक वर्चुअल वैश्विक योग शिखर सम्मेलन जिसमें प्रसिद्ध योग विशेषज्ञ और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर शामिल होंगे।
- हरित योग - एक स्थिरता-संचालित पहल जिसमें योग को व क्षारोपण और सफाई अभियान के साथ जोड़ा गया है।
- योग अनप्लग्ड - युवाओं को योग के प्रति आकर्षित करने के लिए एक कार्यक्रम
- योग महाकुंभ - 10 स्थानों पर एक सप्ताह तक चलने वाला उत्सव, जिसका समापन माननीय प्रधान मंत्री के नेतृत्व में एक केंद्रीय समारोह के साथ होगा।
- संयोगम - समग्र कल्याण के लिए आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल के साथ योग को एकीकृत करने वाली 100-दिवसीय पहल।

Alstom Delivers 500th Electric Locomotive to Indian Railways.

Source/RSB- Alstom, a global leader in smart and sustainable mobility, has successfully delivered its 500th electric locomotive to Indian Railways, marking a significant milestone in the modernization of India's freight transportation network. The milestone locomotive, a Prima T8 WAG12B, was flagged off from Alstom's state-of-the-art manufacturing facility in Madhepura, Bihar, in the presence of senior Indian Railways officials, including Chief Administrative Officer Mr. Manish Kumar, along with Alstom executives. This delivery is part of a €3.5 billion contract under which Alstom is supplying 800 high-powered double-section Prima T8 locomotives, each boasting 12,000 HP (9 MW) for freight operations. These advanced locomotives, designated as WAG-12B by Indian Railways, can haul 6,000-tonne rakes at speeds of up to 120 km/h. To ensure efficiency and reduce maintenance costs, Alstom has also established two ultra-modern maintenance depots in Saharanpur and Nagpur, integrating predictive technology for optimized performance.

Strengthening 'Make in India' Initiative

Manufactured at one of India's largest greenfield facilities in Madhepura, this project represents the largest Foreign Direct Investment (FDI) in the Indian railway sector. The facility has an annual production capacity of 120 locomotives, with localization levels reaching nearly 90%. More than 85% of components are sourced locally, reinforcing India's self-reliance in high-horsepower locomotive production.

Technological Advancements and Economic Impact

These WAG-12B locomotives are powered by advanced Insulated Gate Bipolar Transistor (IGBT) propulsion technology, which enhances energy efficiency through regenerative braking, reducing operational costs and congestion on railway networks. The locomotives have already covered over 120 million kilometers, transporting key commodities such as coal, cement, food grains, and petrochemicals across India.

Olivier Loison, Managing Director of Alstom India, emphasized the significance of this achievement, stating, "Our WAG-12B electric locomotives, fully manufactured in India, are enhancing freight movement with greater efficiency and reliability. This milestone underscores our dedication to India's rail modernization and economic growth."

CONCOR Provides Electric AC Bus to AIIMS

Source/RSB- Under its CSR initiatives, Container Corporation of India Limited (CONCOR) provided a 9-meter Electric AC Bus (JBM, Low-Floor, 196 kWh Battery) to the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), New Delhi, on March 17, 2025. The event was attended by Shri Vineet Mathur, Executive Director (CC & CPRO), Dr. M. Srinivas, Director of AIIMS, and other officials. This bus will facilitate the movement of patients and their attendants within the hospital premises, ensuring convenient and seamless transportation to various treatment centers. Additionally, this initiative will contribute significantly to promoting green energy and environmental sustainability. CONCOR's effort reflects its commitment to social responsibility, enhancing transport facilities in the healthcare sector.

Redevelopment of Hi-Tech City Railway Station Progresses Rapidly

Source/RSB- The redevelopment of HI-Tech City Railway Station in Telangana, under the Amrit Stations Scheme, is making rapid progress, with 72% of the work completed. Key developments include the successful completion of the entry ramp and the launch of a foot over bridge, marking significant milestones in the station's transformation. Currently, major works are underway, including the construction of the station building, the 12-meter foot over bridge, and the circulating area. Installation of lifts and escalators is in progress to enhance accessibility, while platform resurfacing is being carried out to improve passenger convenience. The redevelopment under the Amrit Stations Scheme aims to modernize railway infrastructure, offering world-class amenities and better connectivity. Once completed, the upgraded station will significantly enhance the travel experience for passengers in the region.

RVNL Bags Prestigious NHAI Project for Six-Lane Connectivity to Visakhapatnam Port

Source/RSB- Rail Vikas Nigam Limited (RVNL), a Navratna CPSE under the Ministry of Railways, has secured a major road infrastructure project from the National Highways Authority of India (NHAI). This transformative initiative will significantly enhance connectivity to Visakhapatnam Port Road in Andhra Pradesh, improving trade, logistics, and regional development. Awarded under the Hybrid Annuity Mode (HAM), the project marks a crucial step in strengthening road infrastructure and port access. NHAI has recently issued the Letter of Award (LOA), with the project valued at ₹554.64 crore (excluding GST). The designated route extends from Sabbavaram bypass (Anakapalli – Anandapuram corridor) to Sheelanagar junction (NH-516C), ensuring seamless connectivity for freight and passenger movement. The project involves the construction of a six-lane main road spanning 12.66 km, including a 1.596 km elevated section. It also features 22.26 km of service roads and 93 structures, including underpasses, culverts, minor bridges, road over bridges (ROB), and road under bridges (RUB). Designed with a greenfield alignment, the project aims to provide smooth and efficient access to Visakhapatnam Port. Scheduled for completion within two years, the project also includes a 15-year operation and maintenance period. Once operational, it will enhance freight movement, reduce travel time, and decongest urban areas along the corridor, fostering economic growth by boosting trade, logistics, and industrial activity in the region. Expressing his views on this achievement, RVNL Chairman & Managing Director (CMD), Shri Pradeep Gaur, stated that receiving this prestigious project from NHAI is a significant milestone in RVNL's expansion into road infrastructure. He emphasized that the initiative will play a vital role in strengthening Visakhapatnam's port connectivity and enhancing transportation efficiency in Andhra Pradesh. He reaffirmed RVNL's commit-ment to delivering world-class infrastructure with innovation, sustainability, and excellence. This project is set to redefine transportation standards in the region, reinforcing Visakhapatnam's position as a key hub for seamless connectivity and economic progress.

IRCON Achieves Key Milestone in Shivpur-Kathautia Rail Project

Source/RSB- IRCON has successfully commissioned a 2.561 km cut and connection at Kathautia yard, a crucial step in the ongoing construction of the Shivpur-Kathautia railway line. This project, being developed under a Public-Private Partnership (PPP) model involving CCL, IRCON, and the Government of Jharkhand, spans across Hazaribagh and Chatra districts. With this achievement, the commissioning of a 14 km new railway track from Kathautia to Duari moves closer to completion, significantly enhancing rail connectivity near NTPC's Kerendari Mines. Once operational, the project is expected to generate around 1 million tons of freight annually, boosting coal transportation from Duari to thermal power plants in Bihar. This milestone highlights IRCON's commitment to infrastructure development in tribal areas, fostering economic growth and improving logistics in the region. The new railway line will play a vital role in strengthening the coal supply chain, ensuring efficient energy distribution while contributing to regional prosperity.

Kundevahal Tunnel Breakthrough Marks Milestone for WDFC

Source/RSB- Shri Praveen Kumar, Managing Director of Dedicated Freight Corridor Corporation of India Limited (DFCCIL), inaugurated the breakthrough of the Kundevahal Tunnel, the final tunnel in the JNPT-Vaitarna section of the Western Dedicated Freight Corridor (WDFC). This achievement signifies major progress in completing the last stretch of the corridor, enhancing connectivity and freight efficiency. The breakthrough will facilitate seamless cargo movement from Jawaharlal Nehru Port Trust (JNPT) to the hinterlands, boosting economic and logistical growth.

Mangalore Port: A Sustainable Hub for Seamless Logistics

Source/RSB-Mangalore Port, a key maritime gateway, is strategically connected to major international sea routes, national highways, rail networks, and Mangalore International Airport, ensuring smooth and efficient logistics. Notably, 33% of the port's land is dedicated to a green belt, highlighting its commitment to environmental sustainability. RITES has played a pivotal role in shaping the port's future by preparing the Land Use Plan and supporting the development of green and sustainable port infrastructure. This initiative strengthens Mangalore Port's position as an eco-friendly and well-connected trade hub.

Delhi Metro Partners with Blue Dart to Launch Urban Freight Services

Source/RSB- The Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) is set to revolutionize urban logistics by introducing cargo transportation services on its metro network. In a first-of-its-kind initiative in the South Asia Pacific region, DMRC has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with Blue Dart, India's leading express logistics provider, to facilitate freight movement via metro trains. Under this collaboration, Blue Dart will utilize metro services during non-peak hours to transport parcels, reducing reliance on road transport. This move aims to ease congestion, lower vehicular emissions, and ensure quicker, more reliable deliveries across Delhi-NCR. The partnership reflects DMRC's commitment to sustainable urban mobility while optimizing metro infrastructure for efficient logistics. Globally, metro systems are exploring freight solutions to enhance efficiency. DMRC is in discussions with Madrid Metro, which has successfully piloted a similar initiative, to exchange insights and best practices. By integrating first-mile and last-mile connectivity through metro-enabled logistics hubs, DMRC is laying the foundation for a sustainable urban freight ecosystem. Plans are underway to expand the cargo network to additional metro stations, setting new standards in green and efficient freight transportation. This pioneering initiative positions Delhi Metro as a frontrunner in sustainable urban logistics, redefining freight movement in metropolitan areas with innovation and environmental responsibility.

Kavach: India's Cutting-Edge Automatic Train Protection System Reaches New Milestone with Version 4.0

Source/RSB - Kavach is an indigenously developed Automatic Train Protection (ATP) system. Kavach is a highly technology intensive system, which requires safety certification of highest order (SIL-4). Kavach aids the Loco Pilot in running of train within specified speed limits by automatic application of brakes in case Loco Pilot fails to do so and also helps the trains to run safely during inclement weather The first field trials on the passenger trains were started in February 2016. Based on the experience gained and Independent Safety Assessment of the system by Independent Safety Assessor (ISA), three firms were approved in 2018-19, for supply of Kavach Version 3.2.

Kavach was adopted as National ATP system in July 2020.

Implementation of Kavach System involves following Key Activities:

a. *Installation of Station Kavach at each and every station, block section.*
b. *Installation of RFID Tags throughout the track length.*
c. *Installation of telecom Towers throughout the section.*
d *Laying of Optical Fibre Cable along the track.*
e. *Provision of Loco Kavach on each and every Locomotive running on Indian Railways.*

Based on deployment of Kavach version 3.2 on 1465 RKm on south central Railway, lot of experience was gained. Using that further improvements were made. Finally, Kavach specification version 4.0 was approved by RDSO on 16.07.2024.

Kavach version 4.0 covers all the major features required for the diverse railway network. This is a significant milestone in safety for Indian Railways. Within a short period, IR has developed, tested and started deploying Automatic Train Protection System. Major improvement in Version 4.0 includes increased Location Accuracy, Improved Information of Signal Aspects in bigger yard, Station to Station Kavach interface on OFC and Direct Interface to existing Electronic Interlocking System. With these improvements, Kavach Ver.4.0. is planned for large scale deployment over Indian Railways.

Progress of Key items comprising Kavach system on Indian Railways upto Feb' 2025 is as under: -

SN	Items	Progress
I	Laying of Optical Fibre Cable	5743 Km
ii	Installation of Telecom Towers	540 Nos.
iii	Provision of Kavach at Stations	664 Nos.
iv	Provision of Kavach in Loco	795 Locos
v	Installation of Track side equipment	3727 Rkm

Next phase of Kavach implementation is planned as under: -

a. Project for equipping 10,000 Locomotives has been finalized. 69 number of loco sheds have been prepared for equipping with Kavach.
b. Bids for track side Works of Kavach for approximately 15,000 RKm have been invited covering all GQ, GD, HDN and identified sections of Indian Railways, out of which works of 1865 RKm have been awarded.

Currently, 3 OEMs are approved for supply of Kavach System. To increase capacity and scale of implementation, trials and approval of more OEMs are at different stages.

Specialized training programmes on Kavach are being conducted at centralized training institutes of Indian Railways to impart training to all concerned officials. By now more than 20,000 technicians, operators and engineers have been trained on Kavach technology. Courses have been designed in collaboration with IRISET.

The cost for provision of Track Side including Station equipment of Kavach is approximately Rs. 50 Lakhs/Km and cost for provision of Kavach equipment on locomotives is approximately Rs. 80 Lakh/Loco.

The funds utilized on Kavach works so far is Rs. 1950 Crores. The allocation of funds during the year 2024-25 is Rs. 1112.57 Crores. Requisite funds are made available as per the progress of works.

Indian Railways Spreads Awareness Under #TBMuktBharat Initiative

Source/RSB- As part of the #TBMuktBharat initiative, Indian Railways organized a Nukkad Natak (street play) and rally at Khurda Road Junction to educate passengers and the public about tuberculosis (TB) symptoms, early detection, timely treatment, and the importance of follow-ups for complete recovery. The awareness program aimed to dispel myths surrounding TB and encourage people to seek medical help without hesitation. Through engaging street performances and interactive sessions, railway officials and health experts emphasized the need for community participation in eradicating TB. Indian Railways remains committed to supporting public health initiatives and spreading awareness on critical health issues. Such efforts reinforce its dedication to the well-being of passengers and society at large.

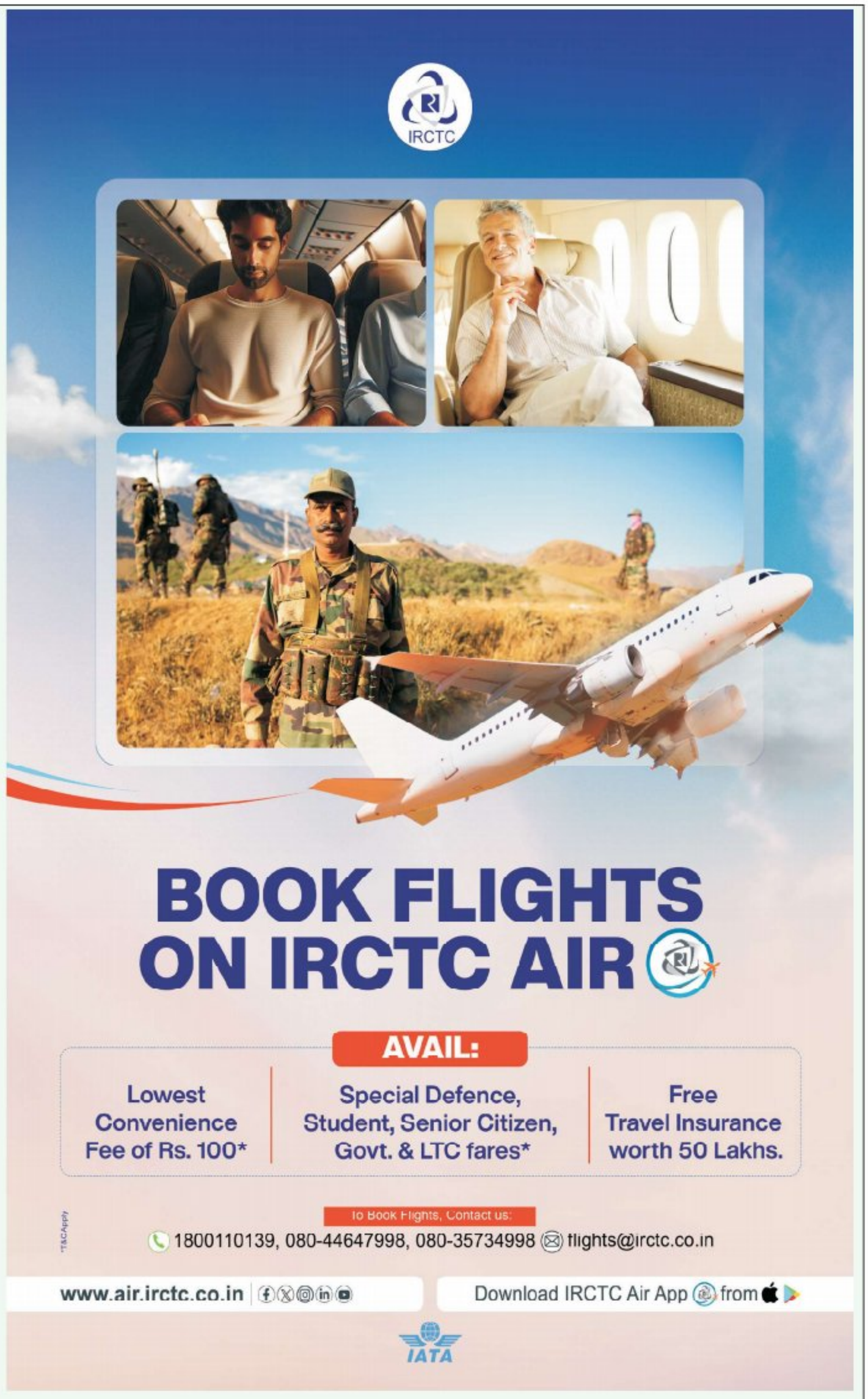

Hon'ble Minister of Railways announces Bharat Gaurav Circuit Yatra in honour of Chhatrapati Shivaji Maharaj

Source/CR- Shri Ashwini Vaishnaw, Hon'ble Minister of Railways, has announced a Special Bharat Gaurav Circuit Yatra in honour of Chhatrapati Shivaji Maharaj. Replying to questions raised during the Lok Sabha session of Parliament in connection with Chhatrapati Shivaji Maharaj, Shri Vaishnaw, with great pride, said, "Work is already in progress on plans to link the important historical places connected with the life & times of Chhatrapati Shivaji Maharaj, and these places will be linked together by a Bharat Gaurav Circuit Yatra." Chhatrapati Shivaji Maharaj laid the foundation of Hindavi Swaraj. The Maharashtra/Karnataka landscape is full of several important historical places like forts, palaces, battlefield sites, etc., associated with the life & times of Chhatrapati Shivaji Maharaj. The Special Bharat Gaurav Circuit Yatra will provide passengers, especially the youth, a chance to connect with the history of the land and will provide an opportunity to visit and explore these places, which are a part of the rich Maratha history. Speaking on demand for trains to Pune, Shri Vaishnaw said, Pune is an important educational & technological hub and an important railway junction connecting Maharashtra with the rest of the country. It is no wonder that requests for trains to Pune are pouring in from all corners of the country. Major work of development of Pune station and its surrounding areas is being carried out at a fast pace. In addition, Uruli station, which is at a short distance from Pune, is being developed as a terminus where maintenance of Pune-bound trains can be done after deboarding passengers at Pune, easing the burden of trains and passenger crowd on Pune station. Similarly, stations like Hadapsar and Shivaji Nagar are also being developed as satellite terminus stations. This will increase the capacity of Pune station, enabling more trains from/to Pune.